International Journal of Physical Education, Sports and Health 2022; 9(2): 01-03

P-ISSN: 2394-1685
E-ISSN: 2394-1693
Impact Factor (ISRA): 5.38
IJPESH 2022; 9(2): 01-03
© 2022 IJPESH
www.kheljournal.com
Received: 02-01-2022
Accepted: 04-02-2022

डॉ. शिल्पा शर्मा
क्रीड़ा अधिकारी, शासकीय महाविद्यालय साईं खेड़ा, मध्य प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
डॉ. शिल्पा शर्मा
क्रीड़ा अधिकारी, शासकीय महाविद्यालय साईं खेड़ा, मध्य प्रदेश, भारत

महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों में खिलाड़ी और गैरखिलाड़ी छात्राओं के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. शिल्पा शर्मा

प्रस्तावना

खेल एक स्वाभाविक जन्मजात एवं प्रकृति जन्म क्रिया है जो मानसिक और शारीरिक विकास के साथ-साथ सौंदर्य एवं क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जिसका का सीधा संबंध मन से हो जब तन स्वस्थ एवं सुंदर होगा तभी तो मानसिक स्वास्थ्य एवं ताज के प्रदर्शित हुई है ताकि एवं मानव जीवन के लिए आवश्यक ही नहीं अपरिहार्य भी है।आज भारतीय महिलाओं खेल के क्षेत्र में विश्व कड़ी चुनौती दे दी जिसका प्रमाण है कि ओलंपिक में पदक विश्व चैंपियन में पदक एशियाड में पदक आदि।भारतीय महिलाओं को आज विश्व के हर क्षेत्र में लोहा माना जा रहा है इन्हीं तत्व को ध्यान में रखकर महाविद्यालय छात्रों में खिलाड़ी छात्राओं एवं गैरखिलाड़ियों के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन करना आवश्यक है किसी भी राष्ट्र का विकास के स्वस्थ नागरिक द्वारा ही संभव है। शरीर के स्वास्थ्य के लिए खेल एवं व्यायाम ही एक विकल्प है।इतिहास में जब हम दृष्टि डालते हैं तो देखते हैं कि विभिन्न प्रकार के खेलों और व्यायाम मानव जीवन के लिए आवश्यक ही नहीं आ परिहार भी है

व्यक्तित्व क्या है

जेबी वेस्टर्न -विश्व अनीता सूचनाएं देने के लिए लंबे समय में खोजे गए तथ्यों को दर्शाने वाली गतिविधियों का कुल योग व्यक्तित्व कहलाता है
जॉन लॉक-उन्होंने व्यक्तित्व को कुछ बुद्धिजीवी अस्तित्व माना है इसे समझ और सोच हो तथा जो स्वयं को अपना वजूद माने।
जेम्स-वह व्यक्तित्व को अंदर से देखी गई विभिन्न पड़ते हैं अंत में भी है व्यक्तित्व सामाजिक पहलू आप संबंधी पहलुओं और शुद्ध अभिमान।
उपयुक्त परिभाषा के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता कि व्यक्तित्व एक अमूर्त परिकल्पना तक निर्मित है जिसमें कई तत्व संगठित रूप से होते हैं व्यक्तित्व व्यक्ति में निहित एवं आंतरिक मध्यस्थ कारी अवस्था है जिसके अंतर्गत व्यक्ति के अनुभव अनुभव तथा संस्थाओं द्वारा पर्यावरणीय को एवं क्षमताओं द्वारा पर्यावरण के प्रति व्यक्ति द्वारा की जाने वाली अनु क्रियाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को रखा जाता है प्रस्तुत अध्ययन में व्यक्तित्व का उपयोग तथा उदीपको तथा व्यक्ति के व्यवहार के बीच स्थिति मध्यवर्ती चर के अर्थ में किया गया है।

व्यक्तित्व के प्रकार

व्यक्तित्व के लेखकों तथा विख्यात मनोविज्ञान के पोस्ट को अपने व्यक्तित्व को विभिन्न प्रकार के वर्णन द्वारा प्रस्तुत करने का प्रयास किया है इस वर्णन में उन्होंने स्पष्ट संपूर्ण व्यक्तित्व को किसी मुख्य विशेषता पर बल दिया है और उनके अन्य निर्मित गुणों की अवहेलना की है इसमें निम्नलिखित कुछ सिद्धांत प्राचीन काल से ही चले आ रहे हैं।

व्यक्तित्व विकास एवं शारीरिक गतिविधियां

शारीरिक शिक्षा की गतिविधियों में व्यक्तित्व गहरा संबंध होता है तथा सारी शिक्षा की गतिविधियां व्यक्तित्व का सही एवं पूर्ण विकास करती है सारी शिक्षा की गतिविधियां मनुष्य को अनेक प्रकार की जरूरतों को पूरा करती हैं तथा जीवन को सुंदर संपूर्णानंद आई बनाने में

मदद करती है व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास सारी शिक्षा बाबू क्वार्टर के अनुसार गतिविधियों का व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव दिखाया हैवे कहते हैं कि सारी शिक्षा का उद्देश्य खेलो लाए आत्मक जिमनास्टिक गतिविधियों द्वारा सामाजिक व हाइजीनिक मानकों के अनुसार अधिकतम विकास करना है व्यक्तित्व के विकास के चार तत्व मुख्य रूप से प्रभावशाली होते हैं शरीर ग्रंथि रचना वातावरण व शिक्षा विकास प्राणी होने वाले ऐसे प्रगतिशील परिवर्तन हैं जो किसी निश्चित लक्ष्य की ओर लगातार निर्देशित होते हैं।

समस्या का कथन

आज भारतीय महिलाएं खेल के क्षेत्र में विश्व को कड़ी चुनौती दे रहे हैं जिसका प्रमाण है कि ओलंपिक में पदक विश्व चैंपियन में पदक एशियाई में पदक भारतीय महिला खिलाड़ियों के हर क्षेत्र में भारतीय महिलाओं को लोहा माना जाता है इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए अपने अध्ययन के लिए महाविद्यालय छात्रों में खिलाड़ी एवं गैर खिलाड़ी के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन समस्या का चयन किया है।

किसी भी राष्ट्र का विकास स्वस्थ नागरिक पर ही संभव है शरीर के स्वास्थ्य के लिए खेल एवं व्यायाम ही एकमात्र विकल्प है इतिहास में जो हम दृष्टि डालते हैं तो देखते कि विभिन्न प्रकार के खेलों और बहनों का प्रचलन सदस्य रहा है समाज के विकास में महिलाओं की बराबर की हिस्सेदारी रही है महिलाओं की समाज के सभी क्षेत्रों में बराबर किस तारीख को देखते हुए हमने अपने छात्र और छात्रों के व्यक्तित्व अपने अध्ययन के विषय के रूप में चुना है

अध्ययन का महत्व- खिलाड़ी छात्रों का व्यक्तित्व एवं गैर खिलाड़ी छात्रों की तुलना में अच्छे होते हैं जिससे छात्राओं में अपने सर्वांगीण विकास का अवसर प्राप्त होता है महिलाओं को समाज से जोड़ना है क्योंकि खिलाड़ी महिलाएं लोकप्रिय होती है यह उनके व्यक्तिगत गुणों और उनकी क्षमताओं का ज्ञान कराता है महिलाएं अपने अंदर की कमजोरी को एग्जाम एक सशक्त नारी के रूप में अवतरित होती है

शोध निम्न प्रकार से महत्वपूर्ण है -

- गैर खिलाड़ी छात्राओं को खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रेरित उत्साहित एवं मार्गदर्शक करेगा!
- महिलाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा
- महिलाओं खिलाड़ियों के व्यक्तित्व योग्यताओं क्षमताओं ताकत व कमजोरी का सही ज्ञान के लिए यह शोध पत्र मार्गदर्शक का कार्य कर सकता है
- समाज के नजरिए में महिलाओं की सोच में परिवर्तन हो सकता

उद्देश

अध्ययन की संपूर्ण उसके कार उद्देश पर निर्भर करती है वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में खेलकूद एवं व्यायाम के प्रति धारणा अलग-अलग प्रत्येक मनुष्य अपने व्यक्तित्व के कारण अन्य प्राणी जीवो से भिन्न-भिन्न है तथा मनुष्य को उच्च बौद्धिक शक्ति प्राप्त है यदि मनुष्य में मन और विवेक ना हो तो व्यक्तित्व का अर्थ नहीं रह जाता है मनुष्य एक साइकोफिजिकल जीव है खेलकूद तथा व्यायाम मनुष्य के सामाजिक जीवन पर विशेष रूप से प्रभाव डालते हैं मनोवैज्ञानिक बाद शारीरिक विज्ञान के विशेषज्ञ ने तथ्यों से अच्छे शिक्षक भौतिक शरीर को खास प्राथमिकता दी थी इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इस किया शोध पत्र प्रस्तुत किया गया है

अध्ययन क्षेत्र

शोध अध्ययन संचालित महाविद्यालय अध्ययन की परिसीमा में लाए गए हैं इस महाविद्यालय में अध्ययनरत खिलाड़ी एवं गैर खिलाड़ी छात्रों को अध्ययन की परिसीमा में लिया गया है

न्याय आदर्श

इस अध्ययन के लिए चयनित महाविद्यालय को 50 छात्राओं को सम्मिलित किया गया है जिसमें प्रत्येक महाविद्यालय से दर्द 50छात्राओं को चयन उत्तर दाता के रूप में हुआ है इनमें से 25 खिलाड़ी छात्रा ऐसी छात्राओं को उत्तर दाता के रूप में चयनित किया गया जो खेल में भाग नहीं लेते हैं और ना ही खेलते हैं उपरोक्त अनुसार स्नातक प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष से एक छात्रा को प्रदाता के रूप में चयनित किया गया है जिसमें समग्र का प्रतिनिधित्व हो सकता है

अध्ययन की पद्धति

शोधार्थी का शोध वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत है इसलिए सर्वेक्षण मूल विधियां एवं उपकरणों का समावेश किया गया है

1. सर्वेक्षण विधि
2. अवलोकन विधि
3. साक्षात्कार अनुसूची

उप कल्पनाएं

- खेलकूद का प्रभाव सकारात्मक है
- 2.अभिभावकों की मनोवृत्ति जागरूक है
- सामाजिक दृष्टिकोण सकारात्मक है
- छात्राओं में हीन भावना नहीं है

शोध क्षेत्र से संबंधित पूर्व में किए गए कार्यों का संक्षिप्त समीक्षा

सोच क्षेत्र भी अध्ययन कार्य को करने से पहले उसमें से संबंधित पूर्व विद्वानों के कार्य का अवलोकन उसे संबंधित साहित्य के अध्ययन से कार में अपने सीमित प्रयासों से नजदीकी विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया तथा विषय से संबंधित पूर्व में किए गए अनुसंधान ओं की भी जानकारी प्राप्त किया जो निम्नानुसार है

शर्मा राकेश 2005-06 अवधेश प्रताप विश्वविद्यालय रीवा शुक्ला राजनारायण 2007 खेल एवं शारीरिक शिक्षा तथा त्रिपाठी प्रेमचंद मिश्र, डॉ सूर्य प्रसाद 2000 शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा मनोविज्ञान ने खिलाड़ी और गैर खिलाड़ियों के बीच मनोवैज्ञानिक अंतर सामाजिक एवं आर्थिक खेल कौशल का अध्ययन किया है

इन अध्ययनों एवं पुस्तकों को भी इस शोधपत्र के लिए आधार बनाया गया है

प्रदत्त का सारणीयन विश्लेषण एवं व्याख्या

शोध क्षेत्र में संकलित किए गए पद्धतियों का सारणीयन कर उनका विश्लेषण एवं व्याख्या की गई है सदस्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या निम्नानुसार है इसमें से समस्त खिलाड़ी एवं गैर खिलाड़ी उत्तर दाता सम्मिलित है

तालिका क्रमांक 1

क्र	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	सकारात्मक	38	76
2	नकारात्मक	12	24
	कुल योग	50	100

तालिका क्रमांक वन में अध्ययनरत छात्रों के व्यक्तिगत एवं अभिवृत्ति पर खेलकूद के प्रभाव का अध्ययन साक्षात्कार पत्र के आधार पर किया गया 76% उत्तर दाताओं में सकारात्मक प्रभाव बताया तो 24% उधर दातों में नकारात्मक प्रभाव बताया इसमें समस्त 50 चयनित छात्राएं भी है जो गैर खिलाड़ी है

तालिका क्रमांक 2

अभिभावकों की मनोवृत्ति			
क्रमांक	**विवरण**	**संख्या**	**प्रतिशत**
1	सकारात्मक	34	68
2	नकारात्मक	16	32
	कुल योग	50	100

उपयोग तालिका क्रमांक 2 के अनुसार छात्राओं के 68 पुत्र अभिभावकों की सकारात्मक मनोवृति है जबकि 32% अभिभावक उत्तर दातों में नकारात्मक मनोवृत्ति बताई है

तालिका क्रमांक 3

अभिभावकों की मनोवृत्ति			
क्रमांक	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	सकारात्मक	39	78
2	नकारात्मक	11	22
	कुल योग	50	100

उपरोक्त तालिका क्रमांक 3 के अनुसार 78% उत्तर दाताओं ने सामाजिक दृष्टिकोण को सकारात्मक बताया है 22 प्रतिशत उत्तर दाताओं ने नकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण बताया

तालिका क्रमांक 4

हीन भावना की प्रवती			
क्र	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	नहीं आती है	30	60
2	आती है	10	20
3	कोई उत्तर नहीं	10	20
	कुल योग	50	100

तालिका क्रमांक 4 में उन तथ्यों का विवरण किया गया है जिसमें छात्राओं के मनोवृत्ति का परीक्षण किया गया है 60% उत्तर दाता मानती है कि मैं किसी प्रकार की हीन भावना नहीं है तथा 20% उत्तर दाता मानती हैं कि इन भावना की प्रवृत्ति आती है जब दूसरे खिलाड़ियों को खेलते देखते हैं प्रत्युत्तर दातों में कोई उत्तर नहीं दे रहा है स्पष्ट खेल के प्रति छात्राओं में स्थित है तथा बहुत कम छात्राओं में हीन भावना आती है जबकि 20% से इस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दीया

उपकल्पनाओं का परीक्षण

प्रस्तुत अध्ययन हेतु निम्नानुसार उपकरणों को मां ने किया गया था उसका प्राप्त तथ्यों के आधार पर परीक्षण किया गया जो नियम का था

1. खेलकूद का प्रभाव सकारात्मक। सत्य
2. अभिभावकों को मनोवृत्ति सकारात्मक है। सत्य
3. सामाजिक दृष्टिकोण सकारात्मक है। सत्य
4. छात्राओं में हीन भावना नहीं है। सत्य

इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रस्तुत अध्ययन हेतु जो कल्पनाएं की गई थी वह सत्य प्रतीत होती है

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र के आधार पर यह कहा जा सकता है कि महाविद्यालय छात्रों के व्यक्तित्व एवं अभिवृत्ति पर खेलकूद का प्रभाव 12% नकारात्मक है छात्राओं के अभिभावकों की मनोवृत्ति 38% नकारात्मक मानते हैं कि समाज में लड़कियों की सुरक्षा की स्थिति बहुत कमजोर है सामाजिक दृष्टिकोण से 78% सकारात्मक मानते हैं जिससे समाज में छात्राओं का वर्चस्व बढ़ रहा छात्राओं में खेलकूद के प्रभाव को बढ़ाने के लिए सामाजिक जागरूकता महिला सुरक्षा साधन और सामाजिक रुप से की जा रही है छात्राओं के खेलकूद को सामाजिक दृष्टिकोण से सकारात्मक माना गया है सामाजिक रुप से छात्राओं के खेल को प्रोत्साहित मिल रहा है अभिभावकों भी इससे छात्राओं के खेल समर्थन दे रहे हैं

सुझाव-

- अधिकारियों को चाहिए कि वे छात्रों की समस्याओं का निराकरण धैर्य पूर्वक सरलता पूर्वक एवं सही ढंग से करें
- खिलाड़ी एवं गैर खिलाड़ी छात्राओं को व्यक्तित्व विकास एवं ध्यान या का करता बढ़ाने हेतु योगा तथा बयान की व्यवस्था होनी चाहिए
- स्कूल स्तर से ही छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- छात्राओं को किसी भी खेल में भाग लेने पर किसी भी सेवा क्षेत्र में साक्षात्कार। / लिखित परीक्षा में अधिभार देकर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. शर्मा राकेश-रीवा जिले के बॉस्केटबॉल परीक्षार्थी खिलाड़ियों के खेल कौशल के विकास का आलोचनात्मक अध्ययन अ. प्र. सिंह विश्वविद्यालय रीवा (2005-6) है अप्रकाशित व शोध प्रबंध
2. शुक्ला राज नारायण-खेल एवं शारीरिक शिक्षा राजीव प्रकाशन 123 स्वामी विवेकानंद मार्ग इलाहाबाद 2007
3. त्रिपाठी प्रेमचंद्र मिश्र डॉ सूर्य प्रसाद-शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा मनोविज्ञान मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी बानगंगा भोपाल मध्य प्रदेश 2000